

Garbha Raksha Stotram in Hindi

श्री माधवी काननस्ये गर्भ
रक्षांबिके पाही भक्ताम् स्थुवन्तम्। (हर श्लोक के बाद)>
वापी तटे वाम भागे, वाम देवस्य देवी स्थिता त्वां,

मानया वारेन्या वादानया, पाही,
गर्भस्या जन्थुन तथा भक्ता लोकान ॥ १ ॥

श्री गर्भ रक्षा पुरे या दिव्या,
सौंदर्या युक्ता ,सुमंगलया गात्री,
धात्री, जनीत्री जनानाम, दिव्या,
रूपाम ध्यारदाम मनोगनाम भजे तं ॥ २ ॥

आषाढ मासे सुपुन्ये, शुक्र,
वारे सुगंन्धेना गंन्धेना लिप्ता,
दिव्याम्बरा कल्प वेशा वाजा,
पेयाधी याग्यस्या भक्तस्या सुद्रष्टा ॥ ३ ॥

कल्याण धात्रीं नमस्ये, वेदी,
कंगन च स्त्रीया गर्भ रक्षा करीं त्वां,
बालै सदा सेवीथाअन्नि, गर्भ
रक्षार्थ, माराधुपे थैयुपेथाम ॥४ ॥

ब्रह्मोत्सव विप्र विद्ययाम वाद्य
घोषेण तुष्टाम रथेना सन्निविष्टाम्
सर्व अर्थ धात्रीं भजेअहम, देव
व्रुन्दैरा पीडायाम जगन मातरम त्वां ॥ ५ ॥

येतथ कृतम स्तोत्र रत्नम, दीक्षीथ
अनन्त रामेन देव्या तुष्टाच्यै
नित्यम् पाठ्यस्तु भक्तया,पुत्र-पौत्रादि भाग्यं
भवे तस्या नित्यं ॥ ६ ॥

इति श्री ब्रह्म श्री अनंत रामा दीक्षिता विरचितम् गर्भ रक्षाअम्बिका स्तोत्रं
संपूर्णम्॥

